CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

उत्तर प्रदेश सरकार ने डेयरी एफपीओ की शुरुआत की है ताकि गायकों से सीधे दूध खरीदा जा सके।

उत्तर प्रदेश सरकार ने गांव स्तर पर दूध उत्पादकों से सीधे खरीद के लिए डेयरी फार्मर्स प्रोड्यूसर्स ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) की स्थापना की प्रस्तावित की है। मंत्री ने नंद बाबा मिल्क मिशन के तहत दूध क्षेत्र के विकास और सीधी खरीद को सुविधाजनक बनाने के लिए 1,000 करोड़ रुपये की आवंटन की घोषणा की।

2023-24 में पांच जिले डेयरी एफपीओ को पायलट करेंगे, जिनमें महिलाओं की भागीदारी पर ध्यान केंद्रित होगा। एसीएस रजनीश दुबे ने डेयरी क्षेत्र में नई उद्योगों के लिए अवसरों पर ध्यान दिया और राज्य की डेयरी प्रोमोशन नीति का उल्लेख किया।

सरकार की योजना है कि दूध उत्पादकों का व्यापक डेटाबेस बनाया जाए और पशु नस्ल सुधार के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाए। राज्य और जिले स्तर पर समितियां नंद बाबा मिल्क मिशन परियोजनाओं का पर्यवेक्षण करेंगी, जिसमें पशु रोगों और दूध के अपशिष्ट परीक्षण किट वितरित किए जाएंगे।

डेयरी ब्रांड्स स्थिर दूध कीमतों के बीच मजबूत गर्मियों में मजबूत बिक्री की उम्मीद कर रहे हैं।

डेयरी कंपनियां इस गर्मियों में मजबूत बिक्री की उम्मीद कर रही हैं, जिसे ऊंची तापमान और स्थिर इनपुट लागतों ने बढ़ावा दिया है। गोदरेज जर्सी के भूपेंद्र सूरी ने मजबूत गर्मी की उम्मीद जताई, उन्होंने सही मौसमी शर्तों से यहाँ तक कहा कि यह डेयरी बिक्री को काफी बढ़ावा दे सकता है।

इसी तरह, ग्रेविस फूड्स, बास्किन रॉबिन्स के मोहित खट्टर की उम्मीद है कि इस गर्मियों में कम से कम 17 से 20 प्रतिशत की वृद्धि होगी। मदर डेयरी भी पिछले वर्ष की तुलना में मांग में 25-30 प्रतिशत की वृद्धि की आशा कर रही है। स्थिर कच्चा माल मात्रा इस सकारात्मक दृष्टिकोण का हिस्सा बन रही है।

बढ़ती मांग का लाभ उठाने के लिए कंपनियां गर्मियों के लिए उत्पादों को लॉन्च कर रही हैं और अपने स्वस्थ डेयरी पोर्टफोलियो को बढ़ा रही हैं। उदाहरण के लिए, गोदरेज जर्सी लो-शुगर वेरिएंट का परिचय कर रहा है। समग्रत: डेयरी उद्योग नवाचारी उत्पादों और रणनीतियों के साथ लाभकारी गर्मियों के मौसम के लिए तैयार हो रहा है।

दूध सहकारिता संघ का दूध उत्पादन पर प्रभाव

प्रौद्योगिकी उन्नतियों, वृद्धि शुद्ध और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों, और सुधारित कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा प्रेरित, भारतीय डेयरी उद्योग निरंतर विकास के लिए तैयार है। जनसंख्या वृद्धि और बढ़ती आय के कारण डेयरी उत्पादों की अधिक मात्रा में उपयोग करने की प्रेरणा है।

उत्तर प्रदेश, जिसकी मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था और देश में सबसे अधिक डेयरी पशुओं की संख्या है, महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्य के डेयरी क्षेत्र को सरकारी पहलों से लाभ होता है।

मिल्क कॉऑपरेटिव्स का मजबूत नेटवर्क और कुशल प्रोक्योरमेंट और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम। दूध प्रसंस्करण संयंत्रों में बढ़ती निवेश, विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों को लाभ पहुंचा रहे हैं, राज्य में डेयरी उत्पादों की उच्च मांग को पूरा कर रहे हैं।

एनडीआरआई डेयरी क्षेत्र सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए सीमेन स्टेशन को अपग्रेड किया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) अपने कृत्रिम प्रजनन अनुसंधान केंद्र (एबीआरसी) में सीमेन स्टेशन को अपग्रेड कर रहा है ताकि सेवाओं को बेहतर बनाया जा सके और प्रमाणीकरण प्राप्त किया जा सके। यह अपग्रेड कृत्रिम इंसीमिनेशन तकनीकों में प्रशिक्षण को सुविधाजनक बनाने के लिए नवाचारी सुविधाएं समाहित करने का लक्ष्य रखता है, जो डेयरी क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करता है।

प्रमाणीकरण के बाद, केंद्र उच्च गुणवत्ता वाला शुक्राणु प्रदान करेगा और उत्कृष्ट पशुओं के शुक्राणु को अन्य राज्यों के लिए और भी जर्मप्लाज्म गुणों को अधिक करने के लिए आगे भेजेगा। आईसीएआर-एनडीआरआई वर्तमान में 142 थारपारकर प्रजनन सांस्कृतिकों का पालन कर रहा है, जिसमें मुर्रा भैंस, साहिवाल, करण फ्राइज, थारपारकर, गिर, और करण स्विस प्रजातियाँ शामिल हैं, जो सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली जर्मप्लाज्म सुनिश्चित करते हैं।

एनडीआरआई के निदेशक डॉ. धीर सिंह ने केंद्र के गुणवत्ता वाले शुक्राणु प्रदान करने और डेयरी क्षेत्र के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को जोर दिया। यह अपग्रेड अवसर को मोडर्नाइजेशन इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं में सुधार करने की एक महत्वपूर्ण कदम की संकेत करता है, जिससे डेयरी किसानों और उद्योग को लाभ होगा।

बढ़ते हुए तापमान के कारण मॉल्ट मीडिया प्रोडक्शन पर प्रभाव पड़ रहा है, जिसमें 20-30000 लीटर प्रतिदिन की कमी देखी जा रही है।

बढ़ते हुए तापमान के कारण मैसूरू और चामराजनगर जिलों में दूध की उत्पादन में गिरावट आई है। मैसूरू मिल्क यूनियन (मायमुल) और चामराजनगर मिल्क यूनियन (चामुल) ने ग्रीष्मकालीन सीजन की तुलना में दैनिक दूध खरीदारी में कमी की रिपोर्ट की है, जिसका कारण सूखे की स्थिति और लू के तूफान होने के बाद ग्रीन फॉडर की कमी है।

इस गर्मी में डेयरी किसानों को उत्पादन में 20-30% की कमी महसूस हो रही है। विंटर सीजन के दौरान लगभग 7.3 लाख लीटर दूध खरीदने वाला मायमुल अब दैनिक 7.1 लाख लीटर दूध खरीद रहा है, जिससे 20,000 लीटर की कमी हुई है। इसी तरह, चामुल ने दिसंबर 2023 में 2.5 लाख लीटर दूध खरीदने के बजाय अप्रैल के पहले सप्ताह में 2.2 लाख लीटर दूध खरीदा है।

चामराजनगर के पशुपालन और पशु विज्ञान के उप निदेशक हनुमेगौड़ा डेयरी किसानों को यह सलाह देते हैं कि वे दूध उत्पादन को स्थायी बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक हस्तक्षेप अपनाएं। इसमें पशुओं के शेड्स में पर्याप्त हवादारी सुनिश्चित करना, पंखे और ठंडाने के प्रणालियों का उपयोग करना, पर्याप्त पीने का पानी उपलब्ध कराना, और गर्मियों के समय ग्राजिंग से बचना शामिल है।

eFeed ने स्थायी डेयरी समाधानों के लिए क्रांतिकारी अनुसंधान प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया

स्थायी डेयरी प्रथाओं के प्रमुख प्रचारक ईफीड ने डेयरी उद्योग में अग्रसर लाभ के लिए एक नवाचारी अनुसंधान प्लेटफ़ॉर्म प्रस्तुत किया है। संस्थापक कुमार रंजन ने प्लेटफ़ॉर्म की महत्वपूर्ण भूमिका को जोरदार ढंग से उजागर किया है और उन्होंने नए विचारों को बढ़ावा देने और उन्हें वास्तविक समाधानों में परिणामस्वरूप बदलने की मुख्य भूमिका को जोर दिया है।

कुमार रंजन ने स्थायी डेयरी प्रथाओं की आवश्यकता को जोरदार ढंग से भावी तकनीकी क्रांति ला सकता है। यह प्लेटफ़ॉर्म गौवंशों से मेथेन उत्सर्जन और खाद्य में यूरिया के प्रभाव सहित मृदा स्वास्थ्य और भूजल स्तर पर आक्रांतियों जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। भारत की 300 मिलियन से अधिक बड़ी गाय जनसंख्या के साथ, जलवायु परिवर्तन के समाधान में निजी क्षेत्र की भागीदारी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। रंजन ने स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने की यह प्लेटफ़ॉर्म की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाया है जो वैकल्पिक नहीं, बल्कि एक आवश्यकता के रूप में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देता है।

eFeed का प्लेटफ़ॉर्म शोधकर्ताओं, शैक्षिक विशेषज्ञों, पशुचिकित्सकों और उद्योग के विशेषज्ञों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करता है, जिससे उद्योग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक समग्र रणनीति सुनिश्चित होती है। प्लेटफ़ॉर्म के उद्देश्य विकसित और उभरते हुए अर्थव्यवस्थाओं को शामिल करते हैं, जिनका उद्देश्य विकसित राष्ट्रों में मेथेन उत्सर्जन को कम करना और उभरते हुए बाजारों में दूध और मांस उत्पादन को बढ़ावा देना है। eFeed का नवाचारी अनुसंधान प्लेटफ़ॉर्म स्थायी डेयरी प्रथाओं को क्रांतिकारी बनाने के लिए तैयार है, जिससे एक और पर्यावरण संवेदनशील और आर्थिक रूप से संवेदनशील डेयरी उद्योग की शुरुआत हो।

कृषि अर्थव्यवस्था में पशुपालन के योगदान में वृद्धि

भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था में पशुपालन का महत्व निरंतर बढ़ता रहा है, जिसका हिस्सा 1970 से 2020 तक कृषि उत्पादन में वृद्धि होते हुए 17% से 29% तक बढ़ गया। इसी तरह, कुल खाद्य संपर्क व्यय में इसका हिस्सा 1983 में 12% से 2012 में 18% तक बढ़ गया। पशुपालन में, डेयरी क्षेत्र एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभरता है, जो ग्रामीण घरों के आर्थिक और पोषण स्तर पर प्रभाव डालता है।

भारत में डेयरी क्षेत्र का महत्व होने के बावजूद, इसका सामना कई चुनौतियों से है, जिसमें कम उत्पादकता, सीमित प्रसंस्करण क्षमता, और अपर्याप्त संचय सुविधाएं शामिल हैं। ये समस्याएँ भोजन और चारा की कमी, अपर्याप्त सफाई और पशु चिकित्सा देखभाल, उच्च इनपुट लागत, और अक्षम विपणन समारोह जैसे विभिन्न कारणों से उत्पन्न होती हैं।

डेयरी सहकारिताएँ, विशेषकर छोटे किसानों को शामिल करने वाली, इन चुनौतियों को कम करने में मदद कर सकती हैं। बल्किंग और बार्गेनिंग सेवाएँ प्रदान करके, सहकारिताएँ छोटे किसानों के लिए बाजार तक पहुंच को बढ़ाती हैं और लेन-देन लागत को कम करती हैं, जिससे डेयरी किसानों की कुल उत्पादकता और आर्थिक संभावनाएँ सुधारी जा सकती हैं।

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in @cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी